राजस्थान में नई सौर परियोजना

चर्चा में क्यों?

जैक्सन ग्रीन (भारत) और **ब्लूलीफ एनर्जी (सिंगापुर) ने राजस्थान में 1 गीगावाट के** सौर परियोजनाओं के विकास के लिये साझेदारी की है, जिसमें **400 मिलियन अमेरिकी डॉलर (3,400 करोड़ रुपये)** का निवेश किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना का दायरा एवं समय-सीमा:**
  - **1 गीगावाट पोर्टफोलियो** में **ऋण और इक्विटी** के माध्यम से वित्तपोषित **तीन सौर परियोजनाएँ** शामिल हैं।
  - परियोजनाओं में अंतरराज्यीय (InSTS) और अंतरराज्यीय (ISTS) ट्रांसमिशन प्रणाली परियोजनाएँ शामिल हैं।
  - राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RUVNL), भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (SECI) **और** राष्ट्रीय जलविद्युत निगम लिमिटेड (NHPC) लिमिटेड से बोली के माध्यम से **25-वर्षीय** विद्युत क्रय समझौते (PPA) प्राप्त किये गए।
  - तीनों सौर परियोजनाओं के 2025-2026 के दौरान क्रमशः शुरू होने की संभावना है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार लक्ष्य:**
  - **इस साझेदारी का लक्ष्य 2030 तक भारतीय ग्रिड** में **5 गीगावाट** से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ना है।
  - राजस्थान की परियोजनाएँ प्रतिवर्ष **1,800 GWh** (गीगावाट घंटे) **हरित ऊर्जा उत्पन्न करेंगी,** जो **1.5 मिलियन घरों को विद्युत देने के लिये पर्याप्त होगी।**
- **पर्यावरणीय प्रभाव:**
  - इस परियोजना से **25 वर्षों** में **22 मिलियन टन CO_2 उत्सर्जन** को रोका जा सकेगा।
  - यह सड़कों से **5 मिलियन कारों को** हटाने के बराबर है।
- **रोज़गार सृजन एवं आर्थिक लाभ:**
  - इस पहल से **निर्माण और परिचालन चरणों के दौरान रोज़गार सृजित होंगे।**
- **वित्तीय एवं बैंकिंग सहायता:**
  - **इस लेनदेन के लिये अर्न्स्ट एंड यंग (EY)** को निवेश बैंकर के रूप में नियुक्त किया गया था।
  - **जैक्सन ग्रीन सुरक्षित ऋण सुविधाएँ:**
    - फर्स्ट अबू धाबी बैंक (मुंबई) से 2.96 बिलियन रुपए।
    - HSBC (हांगकांग और शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन) से 600 मिलियन रुपए।
  - **यह निधि घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय** EPC (इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण) परिचालनों को सहायता प्रदान करेगी।

विद्युत क्रय समझौता (PPA)

- ये विद्युत उत्पादकों और खरीददारों (आमतौर पर सार्वजनिक उपयोगिताओं) के बीच दीर्घकालिक समझौते (आमतौर पर 25 वर्ष) होते हैं।
- इसमें उत्पादकों को निश्चित दरों पर बिजली आपूर्ति करने के लिये प्रतिबद्ध करना शामिल है, जिससे महत्त्वपूर्ण उत्पादन क्षमता सुनिश्चित हो सके।
- वे अनुकूल नहीं होते और गतिशील बाज़ार स्थितियों के अनुकूल ढलने में असमर्थ होते हैं।

इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (EPC) मॉडल

- इस मॉडल के तहत **लागत पूरी तरह से सरकार द्वारा वहन की जाती है।**
- सरकार ने निजी कंपनियों से इंजीनियरिंग ज्ञान के लिये बोलियाँ आमंत्रित की हैं।
- कच्चे माल की खरीद और निर्माण लागत सरकार द्वारा वहन की जाती है।
- निजी **क्षेत्र की भागीदारी न्यूनतम है** और यह केवल इंजीनियरिंग विशेषज्ञता के प्रावधान तक ही सीमित है।
- इस मॉडल की एक चुनौती यह है कि इससे सरकार पर **भारी वित्तीय बोझ पड़ता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-solar-project-in-rajasthan